ओपीएफ-ई-पत्रिका

आयुध पैराशूट निर्माणी, कानपुर

Ordnance Parachute Factory, Kanpur

ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड की इकाई/A UNIT OF GLIDERS INDIA LTD

नेपियर रोड/NAPIER ROAD,कैन्ट/CANTT, कानपुर/KANPUR-208004

भारत सरकार का उपक्रम/GOVT. OF INDIA ENTERPRISE, रक्षा मंत्रालय/MINISTRY OF DEFENCE

अंक-02 | 01 | दिसंबर 2023

महाप्रबंधक महोदय का संदेश

एम.सी.बालासुब्रमणियम,
महाप्रबंधक/ओपीएफ

मेरे लिए यह अत्यंत हर्ष एवं गौरव की बात है कि टीम ओपीएफ द्वारा मासिक ई-समाचार पत्र 'ओपीएफ ई-पत्रिका' के द्वितीय अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। यह अंक दिसंबर माह में आयोजित विविध कार्यक्रम, निर्माणी को मिले विशेष सम्मान, निर्माणी में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन हेतु समर्पित विशेष स्तंभ 'राजभाषा चितंन' तकनीकी लेख एवं अन्य लेखों से अभिपूर्ण है।

भारत में सबसे अधिक बोली एवं समझी जाने वाली भाषा हिंदी संवैधानिक रूप से भारत की राजभाषा है। यह न केवल शासकीय कार्य की भाषा है, अपितु संवाद, संस्कृति एवं संस्कारों की संवाहिका भी है। इसलिए हमारी राजभाषा पत्रिकाएं साहित्यिक एवं सृजनात्मक प्रतिभा के साथ ही साथ अपने देश एवं भाषा के प्रति प्रेम को प्रदर्शित करने का एक सर्वोत्तम अवसर प्रदान करती है।

निर्माणी की साहित्यिक गतिविधियों एवं विविध कार्यक्रमों को फोटोग्राफ सहित मासिक ई-समाचार पत्र 'ओपीएफ ई-पत्रिका' के दिसंबर अंक को प्रस्तुत करते हुए मैं बड़ा गर्व का अनुभव कर रहा हूँ। ई-पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु टीम ओपीएफ को एक बार फिर बधाई एवं इसके उत्तरोत्तर प्रगति एवं उज्ज्वल भविष्य हेतु हार्दिक शुभकामनाएं।

अन्तरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष(IYM) 2023

गौरतलब है कि वर्ष 2023 में अन्तरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष (International Year of Millets IYM) मनाने के भारत के प्रस्ताव को वर्ष 2018 में खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) द्वारा अनुमोदित किया गया था तथा संयुक्त राष्ट्रसंघ महासभा ने वर्ष 2023 को अन्तरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष घोषित किया है। इसी अनुक्रम में जीआईएल कारपोरेट मुख्यालय के निदेशानुसार निर्माणी में दिसंबर माह में दिनांक 01.12.2023 से 14.12.2023 तक मिलेट्स की उपयोगिता एवं इस संबंध में जागरूकता हेतु विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। दिनांक 01.12.2023 को मिलेट्स के उपयोगिता के जागरूकता हेतु एचआरडी अनुभाग द्वारा पोस्टर एवं बैनर का प्रदर्शन किया गया। दिनांक 04.12.2023 से दिनांक 06.12.203 तक निर्माणी के औद्योगिक कैंटीन द्वारा ज्वार, बाजरा, रागी इत्यादि से बने खाद्य समाग्री का निर्माण किया गया एवं कार्मिकों में वितरित किया गया। एचआरडी अनुभाग के प्रशिक्षण कक्ष में दिनांक 11.12.2023 को मिलेट्स से विविध प्रकार के रोगों से बचाव के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। दिनांक 07.12.2023 को स्लोगन एवं दिनांक 08.12.2023 को निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिनांक 12.12.2023 को औद्योगित कैंटीन के समाने मिलेट्स से संबंधित मोटे अनाजों की प्रदर्शनी लगाई गयी एवं दिनांक 13.12.2023 को मिलेट्स की बिक्री की गई। दिनांक 14.12.2023 को निर्माणी मुख्य सभाकक्ष में अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स दिवस के समापन समोरह का आयोजन किया गया। समोरह में श्री कोनन कुमार टोप्पो, संयुक्त महाप्रबंधक/प्रशासन ने बुके देकर श्री एम.सी. बालासुब्रमणियम, महाप्रबंधक महोदय का स्वागत किया। एचआरडी अनुभाग के श्री रामजी गुप्ता पखवाड़े के दौरान आयोजित कार्यक्रम की रुपरेखा सभा के समक्ष प्रस्तुत की। महाप्रबंधक महोदय ने समापन समारोह में अपने संबोधन में कहा कि अन्तरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष (International Year of Millets IYM) के अवसर पर निर्माणी में आयोजित विविध कार्यक्रमों का प्रमुख उद्देश्य खाद्य सुरक्षा एवं पोषण में पोषक अनाज/बाजरा/मोटे अनाज को योगदान के बारे में जागरूकता फैलाना है। इन अनाजों के उत्पादन और गुणवत्ता सुधार के लिए हित धारकों को प्रेरित करना है। महाप्रबक महोदय ने एचआरडी अनुभाग द्वारा आयोजित स्लोगन एवं निबंध प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया।

"दूसरी वस्तुएं बल से छीनी जा सकती है अथवा धन से खरीदी जा सकती है, किन्तु ज्ञान केवल अध्ययन से प्राप्त हो सकता है और अध्ययन केवल एकान्त में किया जा सकता है। " ... डॉ. जानसन

****

अन्तर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के अवसर पर आयोजित स्लोगन प्रतियोगिता

क्रमसं.	स्थान	स्लोगन	विजेता प्रतिभागियों का विवरण
01	प्रथम	सुबह सवेरे भागो कूदो, अपना स्वास्थ्य बनाओं। जंक फूड को दूर भगाओ, मोटे अनाज को अपनाओं।।	प्रथम पुरस्कार कु. शिवानी मौर्य/एटीएस
02	द्वितीय	ज्वार, बाजरा और रागी की रोटियां गुणकारी हैं। पोषण से भरपूर होती हैं, रखती दूर बीमारी हैं।।	द्वितीय पुरस्कार श्री मिंकू कुमार/कार्यवेक्षक पीवी अनुभाग
03	तृतीय	मोटे अनाज को अपनाओं, ताकत बढाओ। मधुमेह और कुपोषण को दूर भगाओ।।	तृतीय पुरस्कार श्री विजय कुमार सुथार/कार्यवेक्षक/पी2 अनुभाग

निबंध प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागी

प्रतियोगिता का नाम	प्राप्त श्रेणी	विजेता प्रतिभागियों नाम	पद	अनुभाग
निबंध लेखन	प्रथम	श्री विजय कुमार सुथार	कार्यवेक्षक	पी2
	द्वितीय	कु. ज्योति देवी	डिप्लोमा प्रशिक्षु	एचआरडी
	तृतीय	श्री अश्वनी कुमार ओझा	यूडीसी	पीवी

अन्तरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के अवसर पर आयोजित विविध कार्यक्रम

विशेष

श्री अन्न: भारत के लिए समृद्धि एवं विकास का माध्यम

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 18 मार्च 2023 को नई दिल्ली के पूसा स्थिति भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान(IARI) के कृषि विज्ञान परिसर (NASC) के सुब्रमण्यम हॉल में अन्तरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष उत्सव के अन्तर्गत आयोजित दो दिवसीय वैश्विक मिलेट्स (श्री अन्न) सम्मेलन का उदघाटन किया। इस सम्मेलन में मिलेट्स (कोदरा, रागी, जौ बाजरा कुटकी इत्यादि मोटे अनाज) को श्री अन्न की संज्ञा दी गई। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री ने श्री अन्न स्टार्ट पर और अन्न मानकों के संग्रह को डिजिटल रूप में लांच किया। सम्मेलन में माननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा कि श्री अन्न समृद्धि व समग्र विकास का माध्यम बन रहा है। इससे ग्रामीण अर्थ व्यवस्था को भी लाभ मिलेगा। सम्मेलन में माननीय प्रधानमंत्री ने विदेश से आए प्रतिनिधियों को श्री अन्न के लिए भारत की ब्रांडिंग पहल के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि श्री अन्न गांव एवं गरीबों से जुड़ा हुआ है। श्री अन्न देश के छोटे किसानों के लिए समृद्धि के द्वारा, करोड़ो देशवासियों की आधारशिला व आदिवासी समुदाय का सम्मान है। माननीय प्रधानमंत्री जी ने यह भी बताया कि श्री अन्न की यह विशेषता है कि इसका प्राप्ति कम पानी में अधिक मात्रा में की जा सकती है। विदित हो कि वर्ष 2018 में मिलेट्स (श्री अन्न) को पोषक अनाज घोषित किया गया था। किसानों को इसके लाभों के बारे में जागरूक करने से लेकर

"व्यवहार कुशलता बिना दुश्मन बनाएं अपनी बातों को समझाने की कला है। "..... हावर्ड न्यूटन

****

इसमें रुचि पैदा करने तक सभी स्तरों पर काम किया गया। देश के लगभग 12 राज्यों में श्री अन्न की खेती की जाती है । वर्ष 2018 के पूर्व मिलेट्स अर्थात मोटे अनाजों का खपत दो से तीन किलो प्रति व्यक्ति थी, जो बढ़कर अब 14 किलो प्रति व्यक्ति हो गई है। वर्तमान ऑकड़ो के अनुसार वर्ष 2018 में मिलेट्स खाद्य उत्पादों की बिक्री में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं यदि ओडीओपी अर्थात एक जिला एक उत्पाद योजना की बात की जाए तो 19 जिलों में मिलेट्स को चुना गया है। श्री अन्न के सन्दर्भ में यह भारत की प्रतिबद्धता का संकेत है कि इसके उद्यमों व खेती के लिए स्टार्टअप लाने की युवाओं ने व्यापक स्तर पर पहल की है। आजादी के बाद से यह पहला अवसर है जब भारत सरकार ने दो करोड़ से अधिक छोटे किसानों की सुध ली है। आज कच्चा एवं खाद्य पदार्थों से युक्त श्री अन्न पैकेज्ड के माध्यम से दुकानों एवं बाजारों तक पहुंच रहा है। निश्चित रूप से श्री अन्न को बढावा देने वाले इन दो करोड़ से अधिक छोटे किसानों की आय में वृद्धि होगी एवं इससे ग्रामीण अर्थ व्यवस्था में मजबूती मिलेगी। अन्तरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष उत्सव में माननीय प्रधानमंत्री ने बताया कि आज 500 से भी अधिक ऐसे स्टार्टअप समाने आए हैं जो श्री अन्न पर काम कर रहे हैं। देश में पूरी आपूर्ति श्रृंखला विकसित की जा रही है।

मिलेट्स में आने वाले अनाज एवं उनकी उपयोगिताः मिलेट्स में जौ, बाजरा, कोदरा, रागी, सोवा, कंगनी , ज्वार और कुटकी जैसे कुल आठ मोटे अनाज सम्मिलित हैं। भारतीय उप महाद्वीप में मिलेट्स की खेती अधिक मात्रा में जाती है। मिलेट्स का सेवन स्वस्थ्य के लिए अत्यंत उपयोगी माना जाता है। मिलेट्स में बीटा कैरोटीन, विटामिन बी 6, नियासिन, पोटैशियम, फोलिक एसिड, मैग्निशियम एवं जिंक जैसे पोषक तत्व अधिक मात्रा में पाए जाते हैं जो स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं। मिलेट्स हमारे शरीर में शुगर की मात्रा कम करने एवं उसको कंट्रोल करने में सहायक होते हैं। बाजरा, ज्वार एवं रागी ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में भी मददगार होते हैं। मोटे अनाजों में भारी मात्रा में कैल्शियम भी होता है जो हड्डियों से संबंधित रोगों में अत्यंत लाभकारी होता है।

श्री रंजन उपाध्याय
कार्यवेक्षक/एचआरडी

ओपीएफ को राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन के क्षेत्र में विशेष पुरस्कार

हर्ष एवं गौरव का विषय है कि वर्ष 2022-23 के लिए उत्तर क्षेत्र-2 (उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड) स्थित 'क' क्षेत्र में केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों की श्रृंखला में राजभाषा नीति- निर्देशों के कार्यान्वयन तथा हिंदी के प्रयोग में उत्कृष्ट कार्य हेतु आयुध पैराशूट निर्माणी, कानपुर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के तत्वावधान में दिनांक 28.12.2023 को ज्ञान चन्द्र घोष लेक्चर हॉल आईआईटी, जोधपुर, राजस्थान में इस अभूतपूर्व एवं उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए निर्माणी के राजभाषा अधिकारी को एक शील्ड एवं राजभाषा अनुभाग के अनुभागाध्यक्ष को एक प्रशस्ति – पत्र माननीय राज्यपाल राजस्थान श्री कलराज मिश्र एवं माननीय गृह राज्यमंत्री, भारत सरकार श्री अजय कुमार मिश्र द्वारा प्रदान की गई।

इस सम्मान हेतु निर्माणी के सभी कार्मिक जिन्होंने प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में अपना योगदान दिया है , बधाई के पात्र है।

निर्माणी के पदाधिकारियों को पुरस्कृत करते हुए माननीय राज्यपाल राजस्थान श्री कलराज मिश्र एवं माननीय गृह राज्य मंत्री श्री अजय कुमार मिश्र

तकनीकी लेख

उत्पादों की गुणवत्ता में सतत सुधार हेतु सुझाव

1. **प्रक्रियाओं में लगातार सुधार करना:** गुणवत्ता के लिए नवाचार एवं नवीन दर्श को ग्रहण करना चाहिए। उत्पाद एवं सेवाओं को प्रदान करने की प्रक्रिया तथा प्रणाली में निरंतर सुधार करना चाहिए तथा कर्मचारियों को प्रशिक्षण देना चाहिए , जिससे के वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सके।
2. **नेतृत्व कौशल का इष्टतम प्रयोग:** प्रबंधकों एवं पर्यवेक्षकों को पारंपरिक प्रबंधन शैली के बजाए नेतृत्व पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। एक लीडर के रूप में उन्हें कर्मचारियों के बीच ऐसा वातावरण सृजित करना चाहिए जिससे उनको अपने क्षमता का अहसास हो एवं वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित हो।

अगर तुम सूरज की तरह चमकना चाहते हो, तो सूरज की तरह जलना सीखो ... डॉ. एपीजे अब्दूल कलाम

****

3. **डर को दूर भगाए:** कर्मचारियौं में भय की भावना को समाप्त करना जिससे कि वह संगठन के हित में प्रक्रियाओं में आवश्यक सुधार के माध्मय से प्रभावशाली ढंग से कार्य कर सकें। एक प्रबंधक के रूप में हमेशा समस्याओं का समाधान करें। समाधान खोजने के लिए कर्मचारियों के साथ काम करें एवं अपने गुणवत्ता लक्ष्य को साझा करें ताकि वे जान सकें कि आप क्या हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।
4. **शिक्षा एवं आत्मसुधार को प्रोत्साहित करे:** शिक्षा हमें अपनी सोच-प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने में मदद करती है। इसलिए व्यवसाय के कौशल सेट की गुणवत्ता जितनी बेहतर होगी आप उतने ही बेहतर उत्पादन और सेवा की गुणवत्ता प्रदान कर सकते हैं।
5. **योजना और विधि:** यदि आप संख्यात्मक लक्ष्य निर्धारित करना चाहते हैं तो सुनिश्चित करें कि आप यह जानते हैं कि आपकी योजना और विधि के बिना संख्याएं अधूरी हैं।
6. **निर्यात के लिए गुणवत्ता नियंत्रण:** आज हमें अपनी आवश्यकताओं के लिए और अपने ऋणों और सेवाओं के पुनः भुगतान के लिए विदेशी मुद्रा की आवश्यकता है तो विदेशी ग्राहक हमसे माल नहीं खरीदेंगे। इसलिए हमें उन समानों की आपूर्ति में सक्षम होना चाहिए , जोकि विदेशी खरीदारों की आवश्यकता को पूरा कर सकते हैं। इस उद्देश्य के लिए गुणवत्ता और अच्छी पैकिंग उत्पाद की निरंतर स्वीकार्यता काफी हद तक निर्धारिति करती है।
7. **क्वॉन्टीटि नहीं बल्ली क्वालिटी पर ध्यान दे:** यदि बाजार में हमें लंबे समय तक टिकना है तो हमें सबसे पहले अपने उत्पादों के गुणवत्ता पर ध्यान देना चाहिए। यदि निर्माणी के प्रत्येक कर्मचारी उत्पादों के उत्पादन में अपनी लगन से काम करेंगे तो निश्चय गुणवत्ता पर उद्पादों का उत्पादन होगा एवं हम लंबे समय तक बाजार में टिके रहेंगे।

श्रीमती भारती टेलर
उच्च कुशल/पी2

राजभाषा चिंतन

हिंदी विज्ञापनः दशा एवं दिशा

यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि संचार माध्यम के रथ पर सवार होकर भूमंडलीरण ने भारत में अपना पाँव फैलाया है। हमारे यहां समाचार पत्र, पत्रिकाएं, रेडियों, टीवी और फिल्में सूचना, मनोरंजन एवं शिक्षण का सबसे सुलभ साधन माने जाते रहे हैं। लेकिन 21 वीं सदी में इंटरनेट एवं स्मार्ट फोन के माध्मय से एक नई हिंदी का सृजन हो रहा है और मजे की बात है कि यह हिंदी फिल्मों सीरियलों, विज्ञापनों एवं न्यूज चैनलों के माध्यम से जनमानस तक पहुँच रहा है। यह तो सच है कि इन माध्ममों से देश-विदेश में हिंदी पहुँची है। गौरतलब है कि यही हिंदी *विज्ञापन की हिंदी* है और यह भी सच है कि *विज्ञापन की हिंदी* सहज ही लोगों के दिल में जगह बना लेती है। लेकिन यह भी सच है कि यह हिंदी उपभोक्ता की हिंदी है, विमर्श की नहीं।

आज बाजारीकरण के दौर में पूरे बाजार ने हिंदी पर अपनी नजर गडाई है। मजबूरी में ही सही पर वे हिंदी को बढ़ावा दे रहे हैं। उदारीकरण के बाद से जब से मल्टीनेशनल कंपनियों को भारतीय बाजार में अनुमति दी गई है तब से हिंदी भाषा का विकास राष्ट्रीय ही नहीं अपितु अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर भी हो रहा है। मार्केटिंग के दौर में इस कंपनियों को यह पता है कि किसी भी देश की भाषा, संस्कृति, खानपान एवं मनः स्थिति जाने बगैर वहां व्यापार करना आसान नहीं है। उन्हें पता है कि उनके बाजार से ताल्लुक रखने वाले 60 प्रतिशत लोग मध्यमवर्गीय भारतीय जनमानस हैं। अतः यह कहना न्यायोचित होगा कि वैश्विक सन्दर्भ में हिंदी की वास्तविक शक्ति को उभारने में संचार माध्यमों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज व्यवहार क्षेत्र की व्यापकता के कारण संचार माध्यमों के सहारे हिंदी भाषा का संप्रेषण क्षमता का बहुमुखी विकास हो रहा है।

महान लोग आपको इस बात की अनुभूति कराते हैं कि आप भी महान बन सकते हैं ... मार्क ट्वेन

****

हिंदी विज्ञापनः दशा एवं दिशा का शेष...

आज का बाजार मिजाज के अनुसार कार्य करता है। विज्ञापनों के थीम की प्रस्तुति बाजार के मिजाज बदलने का साथ ही बदलता है। आज के दौर में हिंदी में विज्ञापन केवल साबुन एवं टूथपेस्ट तक सीमित नहीं है। आज उपभोक्ता विज्ञापन मोटर साइकिल, कार, वाशिंग मशीन, टीवी, फ्रिज इत्यादि जैसे महंगे उत्पादों के विज्ञापन भी हिंदी में बनाए जा रहे हैं। आज के परिस्थिति में छोटे-छोटे कस्बे एवं गांव में किसी भी सड़क के चौराहे पर कुलर अथवा फ्रीज के विज्ञापन हिंदी में देख सकते हैं।

विश्व बाजार की शक्तियों द्वारा भारत में एक माध्यम के रुप में हिंदी का यह इस्तेमाल भारतीय समाज में परिवर्तन की मूलगामी शक्तियों के बारे में आश्वस्त नहीं करता है । यह बाजार शक्तियों द्वारा हिंदी भाषा की समाजिक संप्रेषण की अन्तर्निहित क्षमताओं का अपने ढंग से अनुकूलन करता है। यदि वास्तव में बाजार शक्तियों के साथ हिंदी विकास परक संबंध बना रहा होता तो हिंदी भाषा बाजर की तकनीकी पहलुओं के साथ भी उतनी ही तीव्रता से जुड़ रही होती।

बाजार में हिंदी की वास्तविक प्रगति तो तभी देखी जा सकती है जब वह सम्प्रेषण, कार्यकुशलता और लाभप्रदता की तमाम कारपोरेट योजना का एक अनिवार्य और अभिन्न अंग हो। वह आर्थिक कारोबार की समूची संस्कृति और अभिन्न अंग हो। आज केवल माल बेचने और और गाँव-कस्बों में नए बाजार बनाने के लिए हिंदी का जो प्रयोग हो रहा है, वह एक तदर्थ और एक व्यावहारिक उद्देश्य के लिए है।

राजभाषा अनुभाग

कविता

मेरी माँ

वो शब्द नहीं जो व्यक्त करूं मैं
वो अनुपम ईश्वर रचना हो तुम,
प्रत्यक्ष ईश दिखता है तुममें
वो मूर्त रूप साकार हो तुम,
सागर जैसा गहरी उँची हो तुम,
गंगा जैसी निर्मल हो मां
तारों में चंदा हो तुम,
दीपशिखा हो अंधेरों की
और घनी घटा की उजियाली
ममती की सिंधु हो तुम
और त्याग से परिपूर्ण हो तुम ।।

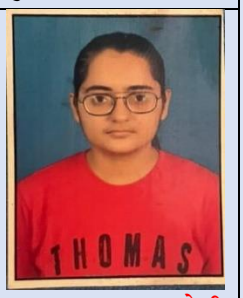

रक्षा देवी
एलडीसी/एफएंडए

सेवा निवृत्ति एवं भावभीनी विदाई (30 दिसंबर 2023)

क्र.स.	नाम(सर्वश्री)	पद/ट्रेड	वै.स./टिसं
1	मो. रईस	टेलर/एमसीएम	8023/एल
2	उमा शंकर श्रीवास्तव	टेलर/एमसीएम	8032/एल
3	ब्रिजेन्द्र कुमार शुक्ला	टेलर/एमसीएम	8461/एल

तकनीकी बोर्ड के सदस्य

श्री अभिषेक मिश्रा, टेलर/उकु-I/पी 5	सचिव
श्रीमती वंदना वर्मा, टेलर/उकु I/पी3	सदस्य
श्रीमती संगीता शाह, टेलर/उकु I/पी3	सदस्य
श्री आदित्य कुमार, टेलर/उकु I/पी4	सदस्य
श्री प्रवीन मिश्रा, टेलर/उकु I/पी4	सदस्य
श्री तंजिदर सिंह, टेलर/उकु I/ पी5	सदस्य
श्री आशीष कुमार द्विवेदी, टेलर/उकु I/ पी2	सदस्य
श्री कामिल खान, टेलर/उकु I/ पी6	सदस्य
श्री अभिषेक मिश्रा, टेलर/उकु-I/पी 5	सचिव

(ओपीएफ-ई-पत्रिका में प्रकाशनार्थ रचनाएं एवं आपका सुझाव साजभाषा अनुभाग में सादर आमंत्रित है)

टीम ओपीएफ द्वारा प्रकाशित प्रतिबंधित वितरण हेतु

सेवा निवृत्त होने वाले विशिष्ट अथितियों एवं उनके परिवारजनों के साथ महाप्रबंधक महोदय

मुख्य संरक्षक	श्री एम.सी. बालासुब्रमणियम, महाप्रबंधक
संरक्षक	श्री एस बैनर्जी, संयुक्त महाप्रबंधक
सह संरक्षक	श्री कोनन कु. टोप्पो, संयुक्त महप्रबंधक
मुख्य संपादक	श्री रुपेश कुमार, कार्यप्रबंधक
पत्रिका के निदेशक	श्री ओमेश सिन्हा, कार्यप्रबंधक
प्रकाशन प्रबंधक	श्री अमर दीप कुमार, कार्यप्रबंधक
विषय-वस्तु प्रबंधक	श्री प्रियम सिंह, सहायक कार्यप्रबंधक
	श्री के.डी. मिश्रा, क. का.प्रबंधक (एसजी)
	श्री परिवेश गुप्ता, जेटीओ